सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 360 | इंदौर, शुक्रवार 17 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

एमपी को भारत टेक्स 2026 में 20,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

27 हजार से ज्यादा रोजगार की संभावना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश को भारत टेक्स 2026 और नई दिल्ली में आयोजित 'इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्य प्रदेश' सत्र के दौरान कुल 20,193 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इन निवेशों से प्रदेश में 27,592 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बनने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में देश-विदेश के निवेशकों, उद्योगपतियों और वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्हें जनवरी 2027 में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2027) में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

● औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने सात एमओयू

कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) ने निर्यात, ई-कॉमर्स, वैश्विक व्यापार, एमएसएमई और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सात महत्वपूर्ण एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रदेश में रक्षा उत्पादन, डेटा सेंटर, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को भी प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि केवल नई दिल्ली में आयोजित निवेश सत्र के दौरान ही 18,601 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। ये प्रस्ताव रक्षा, डेटा सेंटर, ट्रांसफॉर्मर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, अक्षय ऊर्जा, इंजीनियरिंग और खिलौना उद्योग जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं।

इन परियोजनाओं से करीब 11,892 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

● प्रदेश में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत टेक्स-2026 में कहा कि मध्य प्रदेश निवेश और उद्योग के लिए देश के सबसे अनुकूल राज्यों में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कपास और ऑर्गेनिक कपास उत्पादन में अग्रणी है तथा टेक्सटाइल, एमएसएमई, फार्मा, माइनिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार की उद्योग प्रोत्साहन नीतियों के तहत निवेशकों को आकर्षक सब्सिडी और रोजगार आधारित प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। रोजगार सृजन करने वाले उद्योगों को श्रमिकों के वेतन के लिए पांच वर्ष तक प्रति श्रमिक 5,000 रुपये की सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में पर्याप्त बिजली, पानी, बड़ा लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक का सड़क नेटवर्क उपलब्ध है। इसके अलावा मजबूत रेलवे नेटवर्क, आठ हवाई अड्डे, छह अंतरराष्ट्रीय कंटेनर डिपो, एक्सप्रेसवे, फूड पार्क, लॉजिस्टिक्स पार्क और मल्टी-मॉडल पार्क जैसी सुविधाएं उद्योगों को बेहतर आधार प्रदान कर रही हैं।

एमपी के 13 रेलवे स्टेशन बने हाईटेक

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे लोकार्पण, पर्यटन-कारोबार को नई रफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के रेलवे यात्रियों के लिए शुक्रवार का दिन राहत भरा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के 13 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। यह कार्यक्रम देशभर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तैयार किए गए 75 रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन का हिस्सा है। मध्य प्रदेश में विदिशा, सांची, अशोकनगर, शिवपुरी, ब्यौहारी, भिंड, हरपालपुर, छतरपुर, टीकमगढ़, जुन्नारदेव, बालाघाट, छिंदवाड़ा और नैनपुर स्टेशन इस योजना के तहत तैयार किए गए हैं।

क्या बदला स्टेशनों पर

पुनर्विकास के दौरान स्टेशनों पर आधुनिक स्टेशन भवन, आकर्षक प्रवेश द्वार, विशाल प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, बेहतर पेयजल व्यवस्था, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, एलईडी डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी, ऊर्जा दक्ष प्रकाश व्यवस्था, चौड़े फुटओवर ब्रिज, दिव्यांगजन के लिए रैंप, लिफ्ट और कई स्टेशनों पर एस्केलेटर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। स्टेशन परिसरों में बेहतर पार्किंग, वाहन आवागमन की नई व्यवस्था और हरित क्षेत्र भी बनाए गए हैं।

स्थानीय पहचान को मिला स्थान

अमृत भारत स्टेशन योजना की खासियत यह है कि हर स्टेशन को उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और विरासत के अनुरूप विकसित किया गया है। सांची स्टेशन में बौद्ध धरोहर की झलक, विदिशा की ऐतिहासिक पहचान और अन्य स्टेशनों में स्थानीय स्थापत्य व कला को भवनों के डिजाइन में शामिल किया गया है। इससे यात्रियों को स्टेशन पर उतरते ही उस शहर की सांस्कृतिक पहचान का अनुभव होगा।

यात्रियों को होंगे ये बड़े फायदे

1. टिकट, प्रतीक्षालय और प्लेटफॉर्म तक पहुंच पहले से आसान होगी।
2. दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
3. डिजिटल सूचना प्रणाली से ट्रेनों की जानकारी तुरंत मिलेगी।
4. स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में यात्रा का अनुभव बेहतर होगा।
5. पार्किंग और स्टेशन परिसर के सुव्यवस्थित होने से जाम की समस्या कम होगी।
6. स्थानीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार और व्यापार बढ़ेगा।
7. पर्यटन स्थलों तक पहुंचने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

मध्यस्थता करा रहे कतर में बरसीं ईरानी मिसाइलें यूएस फोर्स और लॉजिस्टिक सपोर्ट पर हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी) ईरान और अमेरिका के बीच जारी जंग अब पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैलती नजर आ रही है. संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे कतर पर शुक्रवार तड़के बड़े मिसाइल हमले हुए. कतर के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसकी एयर डिफेंस ने देश को निशाना बनाकर दागी गई कई मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया. ईरानी सेना का कहना है कि उसने कुवैत में अमेरिकी सेना और लॉजिस्टिकल सपोर्ट सेंटर को ड्रोन हमलों में निशाना बनाया है. इनके अलावा बहरीन में हेलिकॉप्टर और

एयरक्राफ्ट को तबाह कर दिया है.

कतर के गृह मंत्रालय के मुताबिक, इंटरसेप्ट की गई एक मिसाइल का मलबा गिरने से एक बच्चा घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है. राजधानी दोहा में कई तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं और लोगों के मोबाइल फोन पर सुरक्षा अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई. हालांकि ईरान ने अब तक आधिकारिक तौर पर कतर पर हमले की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की है.

ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सखिर एयर बेस को निशाना बनाया. वहीं कुवैत में भी ईरानी सेना ने ड्रोन हमलों के जरिए अमेरिकी सैन्य बलों और लॉजिस्टिक सपोर्ट सेंटर पर हमला करने का दावा किया है. कुवैती सेना ने कहा कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइल और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया. बयान में कहा गया कि ईरानी सेना ने अराश ड्रोन का इस्तेमाल करके बहरीन में साखिर बेस पर US मिलिट्री हेलीकॉप्टर और P-8 टोही विमान को निशाना बनाया.

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया आयाम

एमवाय अस्पताल के नवीन 9 मंजिला अत्याधुनिक भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ

800 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा 1600 बिस्तरों वाला सर्वसुविधायुक्त अस्पताल, 40 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर होंगे स्थापित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सा संस्थानों में शामिल महाराजा यशवंतराव (एमवाय) चिकित्सालय में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नवीन 9 मंजिला अत्याधुनिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। लगभग 800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाला यह बहुमंजिला अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने गुरुवार को निर्माणाधीन परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे मालवा-निमाड़ क्षेत्र के लाखों मरीजों को बेहतर और आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि नवीन अस्पताल भवन तीन ब्लॉकों—ए, बी और सी में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में सी-ब्लॉक के निर्माण कार्य की शुरुआत हो चुकी है। इस ब्लॉक में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण चिकित्सा विभाग स्थापित किए जाएंगे। पूरे अस्पताल परिसर में कुल 40 आधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अस्पताल में 1600 बिस्तरों की क्षमता होगी। ए-ब्लॉक में प्रशासनिक कार्यालय एवं ओपीडी संचालित होंगे, जबकि अन्य ब्लॉकों में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा विभागों की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह भवन आधुनिक चिकित्सा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 14 दिसंबर 2025 को महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमि-पूजन किया था। मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा निर्मित किए जा रहे इस अत्याधुनिक अस्पताल में मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, शिशु रोग एवं शिशु शल्य चिकित्सा, न्यूरो सर्जरी, नाक-कान-गला (ईएनटी), दंत रोग, त्वचा रोग, नेत्र रोग, मातृ एवं शिशु वार्ड तथा इमरजेंसी मेडिसिन सहित विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभाग विकसित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त परियोजना के अंतर्गत आधुनिक सार्वजनिक पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, बाउंड्रीवॉल, सौर ऊर्जा संयंत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, प्लंबिंग तथा जलापूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना इंदौर को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का एक सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने हेल्प डेस्क, लोक सेवा केंद्र और नकल शाखा का औचक निरीक्षण किया

- सेवाओं को बनाया जा रहा अधिक प्रभावी, वरिष्ठ अधिकारियों की रहेगी हेल्प डेस्क पर निगरानी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आमजन को समयबद्ध, सरल एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बना रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क, नकल शाखा एवं लोक सेवा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कलेक्टर कार्यालय में आने वाले प्रत्येक आवेदक को त्वरित मार्गदर्शन एवं समय पर समाधान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से भटकना या परेशान नहीं होना पड़े। इसी उद्देश्य से हेल्प डेस्क की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे नागरिकों को जनसुनवाई तक की प्रतीक्षा न करना पड़े व त्वरित समस्या का निराकरण किया जा सकें। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि हेल्प डेस्क पर वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाएगी। इससे प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित होगी तथा नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया जा सकेगा।

उन्होंने लोक सेवा केंद्र की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी सेवाएं अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और नागरिक हितैषी तरीके से संचालित हों, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा विकसित चैटबॉट का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि चैटबॉट के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं जानकारियों का लाभ घर बैठे ही आसानी से उपलब्ध कराया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने नकल शाखा का निरीक्षण कर राजस्व अभिलेखों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की नकल निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नकल शाखा की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है, ताकि नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज बिना विलंब के प्राप्त हो सकें।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को सुगम, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है।

अवैध कॉलोनियों और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें : कलेक्टर शिवम वर्मा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों (टीएल) के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थिति में नई अवैध कॉलोनियों की बसाहट न होने पाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा भी की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिक जवाब देकर प्रकरण बंद करने के बजाय आवेदकों की वास्तविक समस्या का समाधान किया जाए। जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें। समीक्षा के दौरान लापरवाही पाए जाने पर सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग नीरज पाराशर को कारण बताओ (शोकॉज) नोटिस जारी करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए।

बैठक में सुगम्य भारत अभियान के तहत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गये कि सभी संबंधित विभाग कार्यों में तेजी लाएं और निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने सभी एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कार्यों की प्रगति की सतत समीक्षा करते हुए समय पर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खरीफ मौसम के दौरान किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में यूरिया, एनपीके सहित अन्य उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है तथा किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर खाद उपलब्ध कराई जा रही है। इस पर कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि उर्वरकों का वितरण पूरी पारदर्शिता से किया जाए। कहीं भी कृत्रिम अभाव, जमाखोरी अथवा कालाबाजारी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डॉक्टर के क्रेडिट कार्ड से खरीदे 37 हजार के गिफ्ट वाउचर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के डॉक्टर साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने उनके क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग कर अमेजन से 37 हजार रुपए के गिफ्ट वाउचर खरीद लिए। मामले की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. दीपक पाटीदार 7 जून को विजयनगर क्षेत्र में थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड का 37 हजार रुपए का बिल आया। जांच करने पर पता चला कि उनके कार्ड से अमेजन के गिफ्ट वाउचर खरीदे गए हैं। ठगी का पता चलते ही उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, लसूडिया थाना पुलिस ने हेमत कुमार की शिकायत पर साइबर ठगी का एक अन्य मामला दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि 12 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक एप से जुड़ा मैसेज आया। लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल हैक हो गया। कुछ देर बाद जब उन्होंने बैंक खाता चेक किया तो करीब 98 हजार रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हो चुके थे। पीड़ित ने पहले साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्र की अस्पताल में मौत

इंदौर। खुड़ैल थाना पुलिस के मुताबिक निजी मेडिकल कॉलेज के थर्ड ईयर के छात्र रामगोपाल पाल (21) ने बुधवार दोपहर हॉस्टल परिसर में जहरीला पदार्थ खा लिया। कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रात में उनकी मौत हो गई। रामगोपाल बड़वाह के पास रामगढ़ के रहने वाले थे। पुलिस को उनके कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। तबीयत गंभीर होने के कारण उनके बयान भी दर्ज नहीं हो सके।

पोती साइकिल पर, दादा बाईक से भोपाल तक आए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नीट यूजी, सीबीएसई की परीक्षा में गड़बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक जैसी युवाओं और छात्रों की समस्याओं के विरोध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर से भोपाल तक 200 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली।

इस साइकिल यात्रा में कांग्रेस के कई नेता सिर्फ फोटो खिंचाने के बाद गायब होते गए। लेकिन, जीतू पटवारी के साथ इंदौर से लेकर भोपाल तक जिन लोगों ने पूरा सफर साइकिल से पूरा किया, उनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हुए। इंदौर के क्षिप्रा से जीतू पटवारी की साइकिल यात्रा में साइकिल लेकर शामिल हुईं सेजल पटेल ने कहा- हम खुद भी परेशान हैं ये बार-बार दोहराई जा रही है। मैं खुद छात्रा हूं और इस

बार से परेशान हूं कि 12 साल में 90 बार पेपरलीक हुए तो इस समस्या से हम भी जूझ रहे हैं। हम चाहते कि कि इसमें अब परिवर्तन हो। इसलिए मैंने सोचा चाहे कुछ भी हो थकान हो, या बीमार पड़ जाऊं लेकिन मैं भोपाल तक साइकिल से जाऊंगी। मेरे दादाजी और एक दीदी मेरे साथ हैं। जब मैं थकने लगती हूं दीदी अपना हाथ बढ़ाती हैं और दादाजी बाइक चलाते हुए मुझे साथ लेकर चलते हैं। मैंने आखिरी बार साइकिल 7वीं क्लास में चलाई थी। उसके बाद अभी साइकिल चलाना शुरु किया। दो तीन दिन पहले 15-15 किलोमीटर साइकिल चलाने की प्रेक्टिस की। उसके बाद अब मैं इंदौर से लगातार साइकिल चलाते हुए भोपाल पहुंच रही हूं। सेजल के दादा जी ने कहा- हमारे समाज में तो बेटी को कोई बाहर जाने ही नहीं देता है। लेकिन मैंने सोच लिया कि ये बेटी जो चाहेगी वो करेगी। इसका राजनीति करने का मन है तो छूट है। बस मेरा यही कहना है कि आचरण बचाकर काम करना। अभी 20 तारीख को अलका लांबा के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रही है। इंदौर के राऊ क्षेत्र के रहने वाले 62 साल के जितेन्द्र यादव ने भी इंदौर से भोपाल तक साइकिल से पूरा सफर तय किया। जितेन्द्र ने बातचीत में कहा- आज पूरे भारत में जिस प्रकार से राममंदिर में चोरी हुई। पेपरलीक, मंहगाई, बेरोजगारी की स्थिति है। सड़कों, बांधों की हालत खराब है। चारों तरफ भ्रष्टाचार मचा हुआ है। ऐसी सरकार के खिलाफ युवाओं और देश के लोगों को जगाने के लिए मेरे जैसे बुजुर्ग भी इस यात्रा में शामिल हैं।

स्टोर मैनेजर ने 10 लाख के जूते-कपड़े बेचकर रकम हड़पी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर।विजयनगर थाना क्षेत्र में सी-21 मॉल स्थित एक शोरूम के स्टोर मैनेजर पर करीब 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने बिना बिल के जूते, कपड़े और अन्य सामान बेचकर ग्राहकों से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर कराए।

विजयनगर पुलिस के मुताबिक, सुयश विहार कॉलोनी निवासी कंपनी मैनेजर सितलेश यादव की शिकायत पर रोशन कुमार यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। रोशन मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और सी-21 मॉल स्थित एसिक्स (ASICS) शोरूम में स्टोर मैनेजर था। वह जून 2024 में नौकरी पर रखा गया था और 13 सितंबर 2025 को नौकरी छोड़कर चला गया। इसके बाद उसका मोबाइल भी बंद हो गया। रोशन के जाने के बाद कंपनी ने स्टॉक की जांच कराई। जांच में 65 जोड़ी जूते, 40 कपड़े और 38 एक्सेसरीज गायब मिलीं। इनकी कुल कीमत करीब 9.93 लाख रुपए बताई गई है। शोरूम के कर्मचारियों स्वेता, राहुल, दुर्गेश, पंकज और हेमंत से पूछताछ में सामने आया कि रोशन कई ग्राहकों से कंपनी के खाते की बजाय अपने बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करवाता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश में एक टीम बिहार भेजी गई है।

बीच-बचाव करने पर कपड़ा व्यापारी पर हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में कपड़ा व्यापारी पर दो से ज्यादा बदमाशों ने हमला कर दिया। व्यापारी ने दिन में दुकान के बाहर हो रहे विवाद में बीच-बचाव किया था। आरोप है कि रात में घर लौटते समय रेलवे अंडरब्रिज के पास बदमाशों ने उसे घेरकर हमला कर दिया। घायल व्यापारी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लसूड़िया थाना पुलिस के मुताबिक गौरी नगर निवासी शुभम यादव की शिकायत पर विनय और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। शुभम ने पुलिस को बताया कि उसकी सिंगापुर टाउनशिप में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। बुधवार शाम दुकान के बाहर विनय और उसके साथी कुछ युवकों से विवाद कर रहे थे। इस दौरान उसने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया था।शुभम ने बताया कि रात में दुकान बंद कर वह स्कूटर से घर लौट रहा था। रेलवे अंडरब्रिज के पास विनय और उसके साथी पहले से उसका इंतजार कर रहे थे। आरोपियों ने उसका रास्ता रोककर अचानक हमला कर दिया। जान बचाने के लिए शुभम स्कूटर छोड़कर सड़क पर दौड़ पड़ा और मदद के लिए आवाज लगाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान शुभम गिर गया। लोगों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

नाना के साथी क्रिकेट सट्टे के कमीशन एजेंट थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एमडी ड्रग्स के मामले में आरोपी नाना पटवारी और उसके साथी सुमित मंत्री से बुधवार देर रात तक राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि नाना के साथी ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे के कमीशन एजेंट थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें प्रत्येक लेनदेन पर कमीशन मिलता था। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नाना के चार साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल इस प्रकरण में नाना पटवारी का नाम आरोपी के रूप में शामिल नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार जांच में संजय कौशल, मनीष जादौन, दिनेश उर्फ लल्ला चौहान, प्रीतेश त्रिपाठी सहित अन्य लोगों की भूमिका सामने आई है। इन पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क संचालित करने और बेटिंग आईडी उपलब्ध कराने का आरोप है। जांच में सामने आया कि कृष्णा नगर निवासी संजय कौशल ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे का कमीशन एजेंट था। प्रत्येक लेन देन पर उसे 20 से 100 रुपए तक कमीशन मिलता था। पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया कि सच्चिदानंद नगर (महू नाका) निवासी मनीष पमनानी उसे ऑलपैन एक्स और ग्रेटडेक्स डॉट कॉम की बेटिंग लिंक उपलब्ध कराता था। ये लिंक वॉट्सऐप के जरिए भेजी जाती थीं, जिन पर 5 हजार रुपए या उससे अधिक बैलेंस वाली बेटिंग आईडी मिल जाती थी।

शादी के मंडप में पकड़ाया दूल्हा

युवती से दुष्कर्म के बाद दुल्हन के साथ ले रहा था सात फेरे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को सीहोर से हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान सीहोर निवासी रवि विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पीड़िता की लिखित शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए इंदौर पुलिस की एक विशेष टीम बुधवार को सीहोर पहुंची और वहां चल रहे एक विवाह समारोह के दौरान मंडप से ही दूल्हे को हिरासत में लेकर इंदौर आ गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने युवती के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। चंदन नगर थाना प्रभारी से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित युवती ने थाने में उपस्थित होकर एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। युवती का आरोप है कि सीहोर के रहने वाले रवि विश्वकर्मा ने उसे शादी का झांसा दिया और उसके साथ प्रेम संबंध स्थापित किए। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने शादी का पक्का वादा करते हुए करीब 1 साल तक उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने साफ तौर पर विवाह करने से इनकार कर दिया और उसे धोखा दिया। पीड़िता पिछले दो दिनों से न्याय की गुहार लेकर लगातार थाने के चक्कर लगा रही थी जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक्शन लिया। पीड़िता की शिकायत दर्ज होने के बाद महिला पुलिसकर्मियों ने आरोपी रवि विश्वकर्मा को फोन के माध्यम से थाने आकर अपना पक्ष रखने के लिए सूचित किया था लेकिन आरोपी ने पुलिस के सामने उपस्थित होने से साफ मना कर दिया। आरोपी के इस अड़ियल रुख के बाद चंदन नगर पुलिस की एक विशेष टीम बुधवार को तत्काल सीहोर के लिए रवाना हुई। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां आरोपी रवि विश्वकर्मा की शादी की रस्में चल रही थीं। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए विवाह की मुख्य रस्में शुरू होने से ठीक पहले ही आरोपी को शादी के मंडप से हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से विवाह समारोह में हड़कंप मच गया और पुलिस आरोपी को लेकर तुरंत इंदौर आ गई। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी रवि विश्वकर्मा की सगी बहन इंदौर के चंदन नगर इलाके में ही रहती है। आरोपी अक्सर अपनी बहन से मिलने के लिए सीहोर से इंदौर आया-जाता रहता था। इसी आवाजाही के दौरान आरोपी रवि की पहचान उसकी बहन के पड़ोस में रहने वाली पीड़ित युवती से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की यह पहचान गहरी दोस्ती और फिर प्रेम संबंधों में बदल गई। युवती का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी का अटूट भरोसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए लेकिन बाद में वह अपनी बात से पूरी तरह मुकर गया।

एक निवेदन

यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टाचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।

तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करें।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करें ।

www.detectivegroupreport.com

या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करें

detectivegroupreport@gmail.com

(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

देश की सबसे लंबी जल-सुरंग स्लीमनाबाद टनल का आज करेंगे निरीक्षण

विंध्य के लिए 'भगीरथ' बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के सिंचाई इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल स्लीमनाबाद जल-सुरंग अब पूर्णता के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को कटनी जिले में देश की सबसे लंबी और तकनीकी रूप से सबसे जटिल जल-सुरंग का निरीक्षण करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विंध्य पर्वतमाला के भीतर से नर्मदा के जल को गुरुत्वाकर्षण के आधार पर सोन नदी के कछार तक पहुंचाने वाली देश की अनूठी इंजीनियरिंग उपलब्धि है। इसके पूरा होने के साथ ही जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना के करीब 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे विंध्य और महाकौशल क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मध्यप्रदेश के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने और विंध्य की सदियों प्यासी धरती को सींचने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं भगीरथ बनकर मैदान में उतर आए हैं। कटनी जिले में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित की जा रही देश की सबसे लंबी और सबसे जटिल जल-सुरंग , यानी स्लीमनाबाद टनल, अब अपनी पूर्णता की ओर है। इसका जमीनी जायजा लेने मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को स्लीमनाबाद पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील और उच्च-स्तरीय दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण भर नहीं है, बल्कि यह विंध्य और महाकौशल के लाखों किसानों के आंगन में समृद्धि, खुशहाली और लहलहाती फसलों के नए युग का शंखनाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी संकल्प और अटूट इच्छाशक्ति के बल पर सत्रह वर्षों की भू-गर्भीय जंग को जीतकर आज नर्मदा मैया का विंध्य की धरा पर उतरने का स्वप्न साकार होने जा रहा है।

इस महा-परियोजना को इसकी मंजिल तक पहुंचाने का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और अभूतपूर्व प्रशासनिक निर्णयों को जाता है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही इस परियोजना के महत्व को समझा और लगातार की गई व्यक्तिगत समीक्षाओं, त्वरित ऑन-द-स्पॉट फैसलों और निरंतर दिए गए कम बजट समर्थन ने इस बेहद जटिल कार्य को एक जादुई रफ्तार दे दी। अब इस 11.952 किलोमीटर लंबी महा-सुरंग का काम लगभग पूरा हो चुका है, जिसमें अब मात्र अंतिम एक मीटर का ब्रेक-थ्रू सफर शेष रह गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में टनल के बाद के सभी आठ ग्रुपों का काम इस समय पूरी ताकत से चल रहा है। इस सजग मॉनिटरिंग के चलते मार्च 2026 तक ही 44 हजार 160 हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता को धरातल पर उतारकर किसानों को लाभान्वित करना शुरू कर दिया गया है। राज्य सरकार ने इसके बाद का भी पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है, जिसके तहत दिसंबर 2026 तक 87 हजार 433 हेक्टेयर और दिसंबर 2027 तक कुल 1 लाख 54 हजार 693 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्लीमनाबाद की एक टनल का निरीक्षण विंध्य के माथे पर हमेशा के लिए खुशहाली और समृद्धि का तिलक लगाने का एक ऐतिहासिक क्षण साबित होने जा रहा है।

भागीरथी संकल्प का उदय

यह जल-सुरंग केवल कंक्रीट और पत्थरों को जोड़कर बनाई गई कोई यांत्रिक संरचना नहीं है, बल्कि यह सदियों पुराने एक पौराणिक विरह को मिटाने वाला पवित्र महासेतु है। लोक मान्यताओं के अनुसार, अमरकंटक के मैकल पर्वतों से निकलने वाली माँ नर्मदा और सोनभद्र विपरीत दिशाओं में बहकर हमेशा के लिए एक-दूसरे से

दूर चले गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी प्राचीन विरह को मिटाने और विंध्य के सूखे खेतों को पानी देने के लिए इस टनल परियोजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बनाया। आज उन्हीं के भगीरथ प्रयासों से विंध्य पर्वतमाला से अमृत-धारा सीधे सोन नदी के कछार में मिलने के लिए आतुर खड़ी है।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ निकली रथयात्रा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। उज्जैन समेत मध्यप्रदेश के कई जिलों में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्राएं श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और पुष्पवर्षा के बीच भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा नगर भ्रमण पर निकले। पन्ना में परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी दी गई। भिंड में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकली, जबकि उज्जैन में इस्कॉन मंदिर की यात्रा में पहली बार तीन अलग-अलग रथ शामिल हुए। **इंदौर** में महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी रथयात्रा में शामिल हुए। उज्जैन के इस्कॉन मंदिर की यात्रा में भगवान बलभद्र 'तालध्वज', देवी सुभद्रा 'दर्पदलन' और भगवान जगन्नाथ सबसे बड़े 35 फीट ऊंचे 'नंदीघोष' रथ पर विराजमान रहे।

नरोत्तम मिश्रा ने कहा- ब्रम्हास्त्र गलत जगह मत दागो

'आशुतोष की टिकट काटने की क्षमता नहीं है', कोई और है, मैं बात कर लूंगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को बीजेपी उम्मीदवार आशुतोष तिवारी के लिए चुनाव प्रचार किया। दतिया विधानसभा उपचुनाव की एक रैली में दिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। अपने टिकट कटने के बाद सार्वजनिक मंच से बोलते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को भावनाओं में बहने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गुस्सा गलत दिशा में निकालने से नुकसान होगा।

नरोत्तम मिश्रा ने आशुतोष तिवारी का नाम लेते हुए कहा कि मेरी टिकट काटने की क्षमता उसमें नहीं है। टिकट काटने वाले कोई और हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने टिकट काटा है वहां तक

उसकी पहुंचने की भी क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं बात कर लूंगा। इस बयान को दतिया उपचुनाव और भाजपा की अंदरूनी कलह के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। दतिया में आयोजित चुनावी सभा के दौरान नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि टिकट नहीं मिलने के बाद जब उन्होंने कार्यकर्ताओं की भावनाएं देखीं तो वह खुद भी भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा कि मंच पर मौजूद समर्थकों की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू तक आ गए थे। मिश्रा ने कहा कि कार्यकर्ताओं का प्रेम और समर्थन उनके लिए किसी भी पद से बड़ा है और यही रिश्ता उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इस दतिया के लिए मेरे दिल में खास जगह है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कार्यकर्ताओं से नाराजगी और गुस्से को सही दिशा में इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भाजपा से बदला लेने जैसी बातें कर रहे थे, जबकि राजनीतिक लड़ाई विपक्ष से है। उन्होंने कहा कि अगर कार्यकर्ता अपना ध्यान मुख्य मुकाबले से हटाकर गलत दिशा में लगा देंगे तो राजनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं हो पाएगा। उन्होंने समर्थकों से अपील करते हुए कहा कि ब्रम्हास्त्र गलत जगह मत दागो। इससे पहले नरोत्तम मिश्रा ने मंच से दतिया के प्रशासनिक अधिकारियों को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि आपको हाइवे से जाम खुलवाना था तो खुलवाते लेकिन आपने कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस के गोले दागे हैं। मैं भूलने वाला प्राणी नहीं हूं। दोस्ती और दुश्मनी दोनों याद रखता हूं। उन्होंने कहा कि हम 3 अगस्त का इंतजार कर रहे हैं।

सुबह पकड़ते हैं ग्रामीण, डेढ़ लाख पेड़ खा गए कीड़े

सरकार ने 20 लाख में खरीदे 10-लाख कीड़ों के सिर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

डिंडौरी, एजेंसी। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में वन विभाग जंगलों को बचाने कीड़ों का सिर कटवा रहा। साल बोरर कीड़े का सिर 2 रुपए में खरीद रहा है। मकसद कीड़ों को खत्म कर साल (सरई) के जंगलों को बचाना है। अब तक करीब 10 लाख कीड़ों के सिर काटे जा चुके हैं। बदले में ग्रामीणों को 20 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा।

दरअसल, साल बोरर कीट ने जिले के जंगलों को प्रभावित कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद 1 लाख 46 हजार 784 प्रभावित पेड़ों की कटाई की जाएगी। फिलहाल वन विभाग कीड़ों की संख्या कम करने के लिए ग्रामीणों की मदद से विशेष अभियान चला रहा है। एसडीओ एस.के. जाटव ने बताया कि बारिश के मौसम में हर दो हेक्टेयर क्षेत्र में साल का एक पेड़ काटकर उसकी छाल को पीटने के बाद छोड़ दिया जाता है। साल के रस की खुशबू से आकर्षित होकर कीट वहां रस पीने पहुंचते हैं। इसके बाद सुबह 5 से 7 बजे के बीच ग्रामीण जंगल पहुंचकर उन्हें पकड़ लेते हैं। पकड़े गए कीटों के सिरों की माला बनाकर उन्हें कीट संग्रहण केंद्रों पर जमा कराया जाता है। इसके लिए खारीडीह, चौरादादर, कबीर, जगतपुर और करंजिया में 5 संग्रहण केंद्र बनाए गए हैं। 30 जुलाई के बाद एकत्र किए गए इन कीटों को नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

वन विभाग के एसडीओ एस.के. जाटव ने बताया कि पूर्व करंजिया, पश्चिम करंजिया, दक्षिण समनापुर और बजाग वन परिक्षेत्र के करीब 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में लगे सरई (साल) के पेड़ साल बोरर कीट से प्रभावित हैं। कीटों को पकड़ने का अभियान 20 जून से ग्रामीणों की मदद से लगातार चलाया जा रहा है। वन विभाग ने साल बोरर कीट का एक सिर लाने पर 2 रुपए देने की व्यवस्था की है। अब तक ग्रामीण करीब 10 लाख कीड़ों के सिरों की माला बनाकर वन विभाग कार्यालय में जमा कर चुके हैं। प्रत्येक व्यक्ति के जमा किए गए सिरों की अलग-अलग एंट्री की जा रही है।

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी 'राजपूत' नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र जांच में सही पाया गया है। उच्च स्तरीय छानबीन

समिति ने अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने के मामले में मंत्री को क्लीनचिट दे दी है। समिति ने गुरुवार को अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट का निर्णय सार्वजनिक किया। इसमें स्पष्ट किया है कि शिकायतकर्ता प्रदीप अहिरवार द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसमें यह माना जा सके कि प्रतिमा 'बागरी' अनुसूचित जाति वर्ग की न होकर 'बागरी' राजपूत ठाकुर जाति की है। बता दें कि समिति ने बागरी की जाति को लेकर गांव में मुनादी कराई गई थी। इससे नाराज बागरी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शिकायत कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई का अनुरोध किया था। कुछ मंत्री भी इस संदर्भ में मुख्यमंत्री से मिले थे। समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि प्रतिमा बागरी के पूर्वज एवं उनके राजस्व, शैक्षणिक अभिलेखों, जांच प्रतिवेदन में प्रस्तुत कथनों से स्पष्ट है कि बागरी का परिवार 1950 से पहले से सतना जिले की नागौद तहसील के ग्राम बसुधा में निवासरत था। बाद में नागौद के ग्राम हरदुआ मझोल में निवासरत हुआ।

संपादकीय

नेपाल का नया रुख: भारत की ढील और काठमांडू की दलील

नेपाल में ये मांग तेजी से उठ रही है कि अगर भारत चीनी कंपनियों के लिए अपने दरवाजे खोल सकता है तो काठमांडू फिर बीजिंग से समझौता क्यों ना करे। बालेन सरकार को सलाह दी जा रही है कि दिल्ली की चिंताओं को छोड़कर पावर प्रोजेक्ट्स में चीनी कंपनियों को शामिल करना चाहिए। दरअसल नेपाल में ये मांग भारत के उस फैसले के बाद उठी है जिसमें चीन से जुड़ी चार कंपनियों को रणनीतिक बिजली ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स की बोली में शामिल होने की इजाजत दी गई है। ये मांगें उन पुरानी रुकावटों को दूर करने के लिए कूटनीतिक कोशिशों से जुड़ी हैं जो चीन की भागीदारी वाले पनबिजली प्रोजेक्ट्स पर असर डाल रही हैं और सीमा-पार बिजली व्यापार को बढ़ाने में बाधा बन रही हैं। जून में भारत के वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले व्यय विभाग ने चीन के मालिकाना हक या कारोबारी संबंध वाली चार कंपनियों को दो साल की छूट दी है। इससे उन्हें अहम बिजली ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए मुकाबला करने की इजाजत मिल गई। ये कंपनियां हैं TBEA एनर्जी इंडिया, नानजिंग इलेक्ट्रिक इंडिया, न्यू नॉर्थईस्ट इलेक्ट्रिक इंडिया और ताइकाई इलेक्ट्रिक (इंडिया)। भारत सरकार के इस कदम से नेपाल को अपने उन जलविद्युत प्रोजेक्ट्स के लिए भारत को मनाने का एक बड़ा मौका मिल गया है जिनमें चीन की भागीदारी है। हालाकि ये कंपनियां भारत में ही अपने सारे कंपोनेंट्स बनाती हैं लेकिन मोदी सरकार ने जब गलवान घटना के बाद चीनी कंपनियों पर पाबंदी लगाई थी तो इन कंपनियों पर भी असर पड़ा था। सराकर ने उस वक्त भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों को बिना पूर्व मंजूरी के कई सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में शामिल होने से रोक दिया गया था। TBEA एनर्जी इंडिया चीन के TBEA ग्रुप की पूरी तरह से अपनी सब्सिडियरी कंपनी है जबकि नानजिंग इलेक्ट्रिक इंडिया का मालिकाना हक पूरी तरह से चीनी इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माता नानजिंग इलेक्ट्रिक के पास है। न्यू नॉर्थईस्ट इलेक्ट्रिक इंडिया की चीनी बिजली कंपनियों के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पार्टनरशिप है और ताइकाई इलेक्ट्रिक (इंडिया) चीन स्थित ताइकाई ग्रुप से जुड़ी है। हालांकि भारत सरकार ने साफ किया है कि ये छूट सिर्फ इन्हीं चार कंपनियों के लिए है और वो भी सीमित समय के लिए है। दूसरी कंपनियां इस छूट को अपने लिए मिसाल नहीं माने। लेकिन नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि इस घटनाक्रम से काठमांडू को उन पाबंदियों को हटाने की मांग करने का मौका मिला है जो क्षेत्रीय संबंध बेहतर होने के बावजूद नेपाल के पनबिजली उद्योग पर असर डाल रही हैं।

महिला जगत

देर से शादी करने वाली महिलाएं करवा रही Egg Freezing

एग फ्रीजिंग को उन महिलाओं के लिए एक सशक्त विकल्प के तौर पर बढ़ावा दिया जाता है जो अपनी बायोलॉजिकल क्लॉक को रोकना चाहती हैं और बाद की उम्र में बच्चा पैदा करने की संभावना को बेहतर बनाना चाहती हैं। उम्र से जुड़ी इनफर्टिलिटी से बचने के लिए, महिलाएं तेज़ी से अपनी मर्जी से एग फ्रीज़िंग का रास्ता अपना रही हैं। यह फ़ैसला लेने के बाद,अक्सर लोगों के मन में एक बड़ा सवाल होता है कि कितने एग्स फ्रीज करने चाहिए? आइए एग्स की संख्या और आपकी एग फ्रीज़िंग यात्रा के लिए इसके क्या मायने हैं, इस पर विस्तार से जानते हैं।

● उम्र के साथ कम होती रहती हैं अंडों की संख्या

आपके अंडाशय में मौजूद अंडों की संख्या को ओवेरियन रिज़र्व कहा जाता है। उम्र बढ़ने के साथ यह संख्या स्वाभाविक रूप से कम होती जाती है। अंडाणु फ्रीज़िंग प्रक्रिया की सफलता को निर्धारित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक यह संख्या है। अंडों का विकास जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। जन्म से पहले आपके पास लगभग छह से सात मिलियन अंडे होते हैं। जन्म तक यह संख्या घटकर लगभग एक से दो मिलियन रह जाती है। Puberty तक लगभग 300,000 से 400,000 अंडे शेष रह जाते हैं।

● कैसे पता चलेगा अंडे हो गए हैं कम ?

20 की उम्र वाले ज़्यादातर लोगों में ओवेरियन रिज़र्व सही मात्रा में होता है। 25 साल की उम्र में हर साइकल में औसतन 15 से 20 अंडे मिल सकते हैं, और 35 साल की उम्र तक यह संख्या घटकर 10 से 15 अंडे हो सकती है। 40 साल की उम्र के बाद, लोगों में अंडों की संख्या में काफ़ी अंतर हो सकता है। कुछ लोगों में रिज़र्व बना रहता है, जबकि दूसरों में इसमें भारी कमी आ सकती है। इसीलिए समय रहते जाँच करवाना बहुत फ़ायदेमंद हो सकता है। कुछ संकेत हैं जिनसे आपके ओवेरियन रिज़र्व (अंडों की बची हुई संख्या) की स्थिति का पता चल सकता है। उदाहरण के लिए, आपके मासिक धर्म चक्र (पीरियड्स) में बदलाव से संकेत मिल सकते हैं। छोटे या अनियमित पीरियड्स कभी-कभी रिज़र्व कम होने का संकेत देते हैं। हालाँकि, आप केवल लक्षणों पर निर्भर नहीं रह सकतीं। इसका पता लगाने का एकमात्र भरोसेमंद तरीका ओवेरियन रिज़र्व टेस्टिंग है।

● IVF के दौरान कितने अंडे निकाले जाते हैं ?

आपकी उम्र ओवेरियन रिज़र्व और दवाओं पर आपकी प्रतिक्रिया - ये सभी नतीजे पर असर डालते हैं। ज़्यादातर प्रक्रियाओं में आठ से 15 अंडे निकाले जाते हैं। लेकिन कुछ मामलों में पांच से कम अंडे भी निकल सकते हैं। वहीं, कुछ मामलों में एक ही साइकिल में 20 से ज़्यादा अंडे भी निकल सकते हैं। यहां दवाओं पर आपकी प्रतिक्रिया अहम भूमिका निभाती है। जो लोग 'हाई रिस्पॉन्डर' होते हैं, उनमें अक्सर ज़्यादा अंडे बनते हैं। साथ ही, निकाले गए अंडों की संख्या ही सब कुछ नहीं बताती। सफलता के लिए संख्या जितनी ही ज़रूरी है, गुणवत्ता (क्वालिटी) भी उतनी ही मायने रखती है। कम संख्या में स्वस्थ अंडे, ज़्यादा संख्या में खराब गुणवत्ता वाले अंडों की तुलना में बेहतर काम कर सकते हैं।

● कितने अंडे फ्रीज़ करने की होती है ज़रूरत ?

ज्यादातर फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट एक बच्चे के लिए 10 से 20 अंडे फ्रीज़ करने की सलाह देते हैं। दो बच्चों के लिए आप 20 से 30 अंडे फ्रीज़ करने के बारे में सोच सकती हैं। हालांकि यह आपकी उम्र और भविष्य में परिवार की योजनाओं के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। अंडे फ्रीज़ करते समय आपकी उम्र सबसे ज़रूरी बात होती है। 30 साल की उम्र में फ्रीज़ किए गए अंडे आमतौर पर 40 साल की उम्र में फ्रीज़ किए गए अंडों की तुलना में ज़्यादा बेहतर होते हैं। इसका मतलब है कि 35 साल से कम उम्र की महिलाएं हर बच्चे के लिए 15 से 20 अंडे फ्रीज़ करने का लक्ष्य रख सकती हैं। 35 साल की उम्र के बाद, हर बच्चे के लिए 20-25 अंडे फ्रीज़ करना अच्छा रहता है। हालांकि, 38 साल की उम्र के बाद, आपको हर बच्चे के लिए 25 से 30 अंडों की ज़रूरत पड़ सकती है।

● IVF की सफलता दर

जब आप अपने अंडों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार होती हैं, तो आप IVF प्रक्रिया शुरू करती हैं। इसमें भ्रूण बनाने के लिए आपके फ्रीज़ किए गए अंडों को स्पर्म के साथ मिलाया जाता है। इसके बाद, सफल प्रेगनेंसी के लिए भ्रूण को सीधे गर्भाशय में इम्प्लांट किया जाता है। यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि किसी भी मेडिकल प्रक्रिया की तरह, IVF से हमेशा प्रेगनेंसी नहीं होती है, और कभी-कभी कई राउंड की ज़रूरत पड़ती है। फ्रीज़ किए गए लगभग 80 से 90% अंडे पिघलने की प्रक्रिया (thawing process) के बाद भी ठीक रहते हैं। उनमें से लगभग 70% अंडे सफलतापूर्वक फर्टिलाइज़ होते हैं। और फिर, फर्टिलाइज़ हुए अंडों में से लगभग आधे भ्रूण में विकसित होते हैं। इसके बाद, सफलता भ्रूण की क्वालिटी पर निर्भर करती है। अच्छी क्वालिटी वाले भ्रूणों में हर ट्रांसफर पर प्रेगनेंसी की दर 30 से 50% होती है।

नोटः किसी भी मेडिकल कंडीशन का खुद से इलाज करने की बजाय अपने डॉक्टर की सलाह लें।

Uttarpradesh

राम मंदिर दान चोरी : नोटों की गिनती में शामिल होते ही सरगना बन गया टिन्नू का भतीजा मनीष

लखनऊ, (एजेंसी) श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है इसमें शामिल आरोपियों की करतूतों की परतें खुल रही हैं। पता चला है कि रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू का भतीजा मनीष यादव गणना टीम में भर्ती होते ही चढ़ावा चोरी गिरोह का सरगना बन गया था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में नोटों की गड्डियां चुराते सीधे तौर पर तीन लोग देखे गए। अविनाश शुक्ला, मनीष यादव और रमाशंकर मिश्रा। यह तीनों चढ़ावे की रकम पार करते थे और बाकी तीन अन्य इनकी मदद करते थे। मदद में सभी घेरा बनाकर सीसीटीवी फुटेज के आगे खड़े हो जाते थे।

एसआईटी रिपोर्ट के मुताबिक, मनीष यादव की भर्ती उसके ताऊ रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की सिफारिश पर हुई थी। टिन्नू ने मनीष की भर्ती के लिए कागजात एसबीआई के रत्नेश चतुर्वेदी को दिए थे। रत्नेश ने सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज के जरिए गणनाकर्मी पद पर संविदा प्रक्रिया पूरी कराई। रिकार्ड के मुताबिक 15 अप्रैल 2026 को ही मनीष यादव की भर्ती हुई और 11 मई 2026 की सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावे की गड्डियां पार करते हुए सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ।

ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय के ड्राइवर रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू सीधे तौर पर पैसे चोरी करते हुए तो नहीं पकड़े गए लेकिन आशंका है कि उसने अपने भतीजे मनीष को आगे किया।

New Delhi

सोनम वांगचुक के समर्थन में उतर आया विपक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी) केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल अब एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुकी है। गुरुवार को उनकी हड़ताल 19वें दिन में प्रवेश कर गई, जिसके बाद पूरा विपक्ष वांगचुक के समर्थन में लामबंद नजर आ रहा है। आम आदमी पार्टी (AAP) से लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (SP) और नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) तक ने इस आंदोलन के सुर में अपना सुर मिलाया है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचकर सोनम वांगचुक से मुलाकात की। केजरीवाल ने वांगचुक की तारीफ करते हुए उन्हें एक 'महान शिक्षाविद' बताया। उन्होंने कहा कि वांगचुक ने देश और लद्दाख के लिए कई बार बिना थके काम किया है। केजरीवाल ने देश के लिए वांगचुक के 'अपनी जान जोखिम में डालने' वाले साहसी कदम की भी जमकर सराहना की। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की तरफ से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन पर अब तक सधी हुई खामोशी बनाए रखने वाली कांग्रेस ने भी अपना रुख साफ कर दिया है। कांग्रेस ने वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताते हुए उनसे अपनी भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह परीक्षा प्रणाली के पतन और बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में जवाबदेही की भारी कमी को लेकर वांगचुक के 'दर्द और आक्रोश' के साथ मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी वांगचुक की चिंताओं और गुस्से से सहमत है।

Uttarakhand

नैनीताल में एंट्री चाहिए? पहले दीजिए 100 रुपये... नए टैक्स पर भड़के लोग

नैनीताल, (एजेंसी) उत्तराखंड की पर्यटन राजधानी नैनीताल घूमने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है. अब सिर्फ होटल, पार्किंग और ग्रीन टैक्स ही नहीं, बल्कि शहर में प्रवेश करने के लिए भी जेब ढीली करनी पड़ सकती है. नई व्यवस्था के तहत बाहरी जिलों और राज्यों से आने वाली बाइक और स्कूटी पर 100 रुपये एंट्री टैक्स लागू कर दिया गया है. फैसला लागू होते ही सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. किसी ने लिखा, जेब कटे बिना नैनीताल में एंट्री नहीं मिलेगी. तो किसी ने तंज कसते हुए पूछा, क्या कल नैनीताल में चलने और सांस लेने पर भी टैक्स लग जाएगा? नई व्यवस्था रात 12 बजे से लागू कर दी गई. इसके तहत तल्लीताल लेक ब्रिज, बारापत्थर और फांसी गधेरा चुंगी नाकों पर नगर प्रवेश शुल्क की वसूली शुरू हो गई. नगर पालिका नैनीताल ने चुंगी वसूली का ठेका 24.55 करोड़ रुपये में दिया है. यह ठेका मार्च 2028 तक प्रभावी रहेगा. यानी यदि कोई नैनीताल निवासी पढ़ाई या नौकरी के कारण किसी दूसरे शहर में रहता है और वहां के नंबर का वाहन लेकर अपने घर आता है तो उसे भी एंट्री शुल्क देना पड़ सकता है. यही बात लोगों की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह बन रही है.

Jammu & Kashmir

डोडा में सर्विस राइफल छीनने की कोशिश में गोलीबारी, एक की मौत और तीन जवान हुए घायल

डोडा, (एजेंसी) जम्मू और कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह इलाके में एक युवक ने स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की, जिसके बाद हुई फायरिंग में युवक की मौत हो गई और तीन एसओजी के जवान घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति का घटना से क्या संबंध है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

यह घटना गुरुवार देर रात को हुई। एसओजी की एक टीम को उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट मिलने के बाद गुरुवार को जाई-गंडोह सड़क रोड पर घात लगाकर बैठी थी। यह स्थान भद्रवाह शहर से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। लगभग रात 11:30 बजे एसओजी टीम

ने एक युवक को रोका, जिसने कथित तौर पर जवानों पर हमला किया और उनकी सर्विस राइफल छीनने का प्रयास किया। इस धक्का-मुक्की के दौरान एक एसओजी जवान ने गोली चला दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि इस घटना में तीन पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। घायलों को भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से विशेष उपचार के लिए उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज, डोडा रेफर कर दिया गया।

खेल

कार्डिफ वनडे में इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

सीरीज में 1-1 की बराबरी, जो रूट की मैच जिताऊ पारी

कार्डफि, (एजेंसी) टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला गुरुवार (16 जुलाई) को कार्डफि में जारी है. इंग्लैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया, जहां भारतीय टीम 44 ओवर्स में 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई.

इस मुकाबले के अपडेट, लाइव स्कोरकार्ड और मैच से जुड़ी तमाम चीजें हम लगातार अपडेट कर रहे हैं, ऐसे में आप इस पेज को रिफ्रेश करते रहें.

रनचेज में इंग्लैंड की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. पारी की पहली ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट (0 रन) को चलता कर दिया. जैकब बेथेल (4 रन) और कप्तान हैरी ब्रूक (16 रन) भी सस्ते में आउट हुए. बेथेल को प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया, जबकि ब्रूक का विकेट गुरनूर बरार ने लिया. ब्रूक के आउट होने के समय इंग्लैंड का स्कोर 53/3 था. सैम करन और जो रूट के बीच चौथे विकेट के लिए

41 रनों की साझेदारी हुई, जिसे शिवम दुबे ने तोड़ा. शिवम ने सैम करन (26 रन) को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराया. इंग्लैंड के जो शुरुआती चार विकेट गिरे, उसमें ईशान किशन की अहम भूमिका रही. ईशान ने चारों मौकों पर विकेट के पीछे कैच लपका. इसके बाद जोस बटलर 17 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड हुए. बटलर को अक्षर पटेल ने अपना शिकार बनाया. इंग्लैंड के विकेट गिर रहे थे, लेकिन जो रूट क्रीज पर जमे रहे. रूट ने विल जैक्स के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी की. जैक्स ने 30 रन बनाए और उनका विकेट गुरनूर बरार ने झटका.

भारत के लिए रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई. गस एटकिंसन की गेंद पर गिल ने दमदार शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में चली गई और बेन डकेट ने आसान कैच लपक लिया. छह चौकों की मदद से गिल ने 30 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली. शुभमन गिल के बाद रोहित शर्मा भी बल्ले से ज्यादा योगदान नहीं दे सके. रोहित 47 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे. विल जैक्स की गेंद पर जोस बटलर ने रोहित का कैच पकड़ा. केएल राहुल की जगह टीम में शामलि किए ईशान किशन कुछ कमाल नहीं कर सके और महज 1 रन बनाकर सैम करन को कैच थमा बैठे. ईशान के आउट होने के बाद भारतीय टीम का स्कोर 111/3 हो गया. इसके बाद वरिाट कोहली ने 50 गेंदों पर अपना अर्धशतक चौका लगाकर सैम करन की गेंद पर पूरा किया. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में विराट कोहली ने 14वीं बार 50+ स्कोर बनाया. उन्होंने विवियन रिचर्ड्स की बराबरी कर ली है और अब सिर्फ कुमार संगकारा (15) उनसे आगे हैं. हालांकि 65 रन के स्कोर पर विराट कोहली जोफ्रा आर्चर की गेंद पर आउट हो गए. कोहली के आउट होने के बाद आए वॉशिंगटन सुंदर (2) साकिब महमूद की गेंद पर आउट हो गए. सुंदर जब आउट हुए तो भारतीय टीम का स्कोर 5 वकिेट के नुकसान पर 181 हो गया.

सिनेमा

अक्षय कुमार की वजह से छोड़ी फिल्म 'OMG2', परेश रावल का छलका दर्द, नहीं मिला क्रेडिट

एक्टर परेश रावल ने दावा किया है कि 'OMG 2' की कहानी असल में एक आइडिया के तौर पर शुरू हुई थी, जिसे उन्होंने डायरेक्टर अमित राय के साथ मिलकर डेवलप किया था. उन्होंने कहा कि उन्हें इस कहानी या कॉन्सेप्ट का क्रेडिट नहीं दिया गया. एक्टर ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद कहानी में काफी बदलाव किए गए, जिसकी वजह से उन्होंने फिल्म से अलग होने का फैसला किया. विक्की लालवानी के यूट्यूब चैनल के लिए दिए एक इंटरव्यू में परेश ने बताया कि उनकी ओरिजिनल कहानी पिता-बेटे के रिश्ते पर आधारित एक ड्रामा थी. जिसमें सेक्स एजुकेशन, लोगों के बीच बेइज्जती और न्याय के लिए माता-पिता की लड़ाई जैसे मुद्दे शामिल थे. उन्होंने कहा कि इसमें भगवान या किसी दैवीय किरदार का कोई रोल नहीं था और इसे कभी भी 'OMG' के सीधे सीक्वल के तौर पर नहीं सोचा गया था. परेश के मुताबिक, सबसे दुखद बात यह थी कि उन्हें ओरिजिनल आइडिया के लिए कोई क्रेडिट नहीं मिला. उन्होंने कहा, 'सबसे दुखद बात यह है कि मुझे कहानी या कॉन्सेप्ट का क्रेडिट तक नहीं दिया गया. मेरा नाम कहीं भी नहीं लिया गया.'

Highlights

1. Scooters, bike enter Delhi cycle track, viral video sparks debate
2. Police stops girl's reel shoot inside temple, video goes viral
3. 'Muslims not allowed' poster appears at Pune's Sinhagad Fort, probe on
4. SIR schedule in Delhi, Karnataka, Punjab & Telangana extended
5. Kunal Kamra makes controversial remark on Lord Ram & Ambanis at CJP protest; criticised
6. Dipke's old post calling Rahul Gandhi's 'Bharat Jodo Yatra' a 'travel vlog' goes viral
7. Tirupati Temple receives record ₹97 crore donation in a day
8. UP building fire videos show daring escape using makeshift ladder

India smartphone shipments tumble by 10% as affordable phones become more expensive

NEW DEIHI, (Agency). India's smartphone market is facing a combination of headwinds driven by smartphones becoming more expensive across segments, and a weakening consumer demand as well as discretionary spending, as shipments see the biggest June quarter decline in six years. Counterpoint Research's latest India Smartphone Shipments in Q2 2026 data pegs this decline in shipments at 10% year-on-year. This follows the Q1 decline of 3%, which itself was marked as the weakest quarter in six years

There isn't much good news awaiting the smartphone market over the horizon too. "We expect India's smartphone market to remain under pressure through the rest of the year, as elevated memory and component costs continue to keep device prices high. Smartphone memory prices have increased nearly 4x since September 2025 and are expected to rise further, potentially reaching 5x in the coming months. As a result, we expect the market to decline by 13% YoY for the full year," says Tarun Pathak, Research Director at Counterpoint.

There are some bright spots amid an overall gloomy picture, with the research pointing to the ultra-premium segment (above ₹45,000) remaining resilient due to a growing adoption of financing schemes that reduce the upfront cost of buying a premium phone.

Vivo leads with 17.8% market share, which itself is a significant drop from the 19.2% share in Q2 2025. Samsung is at a very close second with 17.6% share (up from 15.5% year on year). Oppo (13.6%; an increase from 13.2%) and Xiaomi (9.4%; up from 8%) follow.

"On the supply side, persistent increases in memory and other component costs prompted almost every major OEM to implement multiple rounds of price hikes, resulting in an average smartphone price hike of around 15% by the end of the second quarter," says senior analyst Prachir Singh.

"The mass-market segment (sub-INR 15,000) was the hardest hit, with its shipments declining 45% YoY. As most Chinese brands are heavily exposed to the entry-and mid-tier segments, their overall market share fell to its lowest level for a second calendar quarter since 2020," he adds.

Counterpoint notes that Apple's shipments declined 3% YoY in Q2 2026, with its market share now at 7%. "While consumer demand for the iPhone 17 series remained strong, persistent supply constraints and inventory shortages across online and offline channels limited the brand's shipment growth during the quarter," they say.

There are a couple of trends worth keeping an eye on in the quarters ahead, like the chipmakers' share. The latest data pegs MediaTek as the leader in India's smartphone chipset market with a 49% shipment share.

Google emerged as the fastest-growing smartphone brand in the ultra-premium segment (> ₹45,000 price) in Q2 2026, posting 68% YoY growth for its Pixel phone portfolio.

उर्मिला हत्याकांड

पांच दिन बाद भी पति फरार 10 हजार का इनाम घोषित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। डाक विभाग की पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड में पांच दिन बाद भी मुख्य आरोपी और मृतका के पति अखिलेश सैनी का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस की चार से अधिक टीमें अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश में जुटी हैं। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

11 जुलाई को डाककुंज कॉलोनी स्थित सरकारी आवास में 38 वर्षीय पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या कर दी गई थी। घटना के समय उनके दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे। स्कूल से लौटने पर बच्चों ने घर के अंदर मां का खून से लथपथ शव देखा। वारदात के बाद से उर्मिला का पति अखिलेश सैनी फरार है।

जांच अधिकारियों के मुताबिक अखिलेश ने पूरी वारदात पहले से योजना बनाकर की। पुलिस का मानना है कि उसे यह जानकारी थी कि जांच में मोबाइल फोन सबसे अहम सुराग होता है। इसी वजह से वह अपने दोनों मोबाइल फोन घर पर छोड़कर फरार हुआ, जिससे उसकी लोकेशन और संपर्कों का पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने फरारी के दौरान नई सिम खरीदी होगी, लेकिन अभी तक इसका कोई सबूत नहीं मिला है। बैंक खाते, यूपीआई और अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों से भी उसकी कोई गतिविधि सामने नहीं आई है। जांच में पता चला है कि आरोपी बच्चों को दोपहिया वाहन की चाबी देने के बाद ऐसे रास्ते से निकला, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। बाद में उसके फुटेज इंदौर रेलवे स्टेशन पर मिले। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि उसने दिल्ली जाने के लिए ट्रेन का टिकट बुक कराया था, लेकिन बाद में उसे रद्द कर दिया। इसके बाद वह सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र की ओर जाता दिखाई दिया। पुलिस को कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि अखिलेश सैनी को खलघाट क्षेत्र में देखा गया था। इस सूचना की भी जांच की जा रही है, हालांकि अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस आरोपी के अगरबत्ती कारोबार से जुड़े लोगों की भी जानकारी जुटा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि वह किसी परिचित, कारोबारी या रिश्तेदार के संपर्क में तो नहीं है। भोपाल में रहने वाले उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों से भी पूछताछ की गई है।

उधर, उर्मिला सैनी की अस्थियों का ओंकारेश्वर में विसर्जन कर दिया गया है। अब उनके दोनों बच्चे प्रेक्षा और अव्यक्त की शेष शोक रस्में खंडवा स्थित नाना-नानी के घर पर पूरी कराई जाएंगी। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश लगातार जारी है। उसकी गिरफ्तारी या उसके बारे में पुख्ता सूचना देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ईडी केस में आरोपी बरी, 2.19 करोड़ की संपत्ति राजसात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। करीब 15 साल पुराने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विशेष कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी दंपती को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप से दोषमुक्त कर दिया, लेकिन ईडी की ओर से अटैच की गई करीब 2.19 करोड़ रुपए की संपत्ति पर किसी ने दावा नहीं किया। इसके चलते कोर्ट ने उस संपत्ति को शासन के पक्ष में राजसात करने के आदेश दिए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2011 में महू स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन क्लर्क राजेश नीम और अंजना नीम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इससे पहले राजेश नीम के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसी प्रकरण के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई शुरू की थी।

18 जुलाई तक ट्रेड लाइसेंस के लिए कैंप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर निगम इंदौर के लाइसेंस विभाग ने व्यापारियों की सुविधा के लिए ट्रेड लाइसेंस बनाने के लिए लगातार मार्केटों में कैंप लगा रहे हैं। ये कैंप 18 जुलाई तक चलेंगे, जिसमें दुकानदार अपने लाइसेंस रिन्युअल करा सकते है और नए लाइसेंस भी बना सकते है। राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर ये कैंप लगाए जा रहे है। गुरुवार को बंगाली चौराहा, राजमोहल्ला, रणजीत हनुमान रोड, सिक्ख मोहल्ला में ये कैंप लगाया गया है। शुक्रवार और शनिवार को ये कैंप नसिया रोड/सिंधी कॉलोनी, नवलखा रोड, पोलोग्राउंड पर लगाए जाएंगे।

पत्नी के घर छोड़ते ही हैवान बना बेटा

● मां को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक कलयुगी बेटे ने पत्नी के घर छोड़कर चले जाने से नाराज होकर अपनी ही मां की बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में गंभीर रूप से घायल 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। एसीपी पराग सैनी के मुताबिक, लसूड़िया थाना क्षेत्र की स्कीम नंबर-114 में सूचना मिली थी कि एक घर में 60 वर्षीय गीताबाई का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच और आसपास के लोगों से पूछताछ में सामने आया कि मृतका के बेटे आकाश ने अपनी मां के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। आरोप है कि उसने लात-घूंसों से हमला किया, जिससे महिला की मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी बेटे आकाश को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि उसकी पत्नी ममता पारिवारिक विवाद के चलते बुधवार को घर छोड़कर चली गई थी। इसी बात से वह नाराज था। देर रात घर लौटने पर उसकी मां से कहासुनी हुई, जिसके बाद उसने मां के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, परिवार में लंबे समय से छोटी-छोटी बातों को लेकर सास और बहू के बीच विवाद होता रहता था। इसी विवाद के चलते बहू घर छोड़कर चली गई थी। इसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ने अपनी मां पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है और पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक